Roll No. : .....

Total No. of Questions : **10**] [Total No. of Printed Pages : **2**

MPHIN–35

M.Phil. Examination, 2022

HINDI

Paper - III (ख)

(आधुनिक गद्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

नोट :– प्रश्न-पत्र **पाँच** इकाइयों में विभक्त है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

इकाई–I

1. "आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने रसवाद को आध्यात्मिक भूमि से उतारकर वैज्ञानिक आधार पर प्रतिष्ठित किया। उसे बौद्धिक चिन्तन की दृष्टि से अधिक महत्त्वपूर्ण और विश्वसनीय बनाया।" इस कथन के आधार पर रस सिद्धान्तकार के रूप में आचार्य शुक्लजी की नई दृष्टि की व्याख्या कीजिए।

अथवा

2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के द्वारा प्रतिपादित सहृदय की अवधारणा एवं लोकमंगल की अवधारणा को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

इकाई–II

3. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में नारी की स्थिति, स्वरूप और उपन्यासकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

4. "'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में द्विवेदी जी ने युग के यथार्थ को अभिव्यक्त किया है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

इकाई–III

5. "आधुनिक हिन्दी–नाटक के विकास में मोहन राकेश का महत्त्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने हिन्दी नाटक को रोमांटिक भावबोध से मुक्त कर आधुनिक भावबोध से जोड़ा है।" इस कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

अथवा

6. 'लहरों के राजहंस' में कथ्य और शिल्प का सुन्दर समन्वय हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

इकाई–IV

7. फणीश्वरनाथ रेणु कृत 'ऋणजल–धनजल' रिपोर्ताज के आधार पर रेणु के रिपोर्ताज लिखने के कौशल की समीक्षा कीजिए।

अथवा

8. रिपोर्ताज के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसके उद्‌भव एवं विकास को उदाहरण सहित समझाइए।

इकाई–V

9. कहानी के उद्‌भव को समझाते हुए उसके विकास को उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

10. कहानीकार के रूप में प्रेमचंद की कहानियों के शिल्प सौष्ठव को बताते हुए उनके वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।